सुविचार

अपने शब्दों को निर्मल और पवित्र रखें क्योंकि संभव है, कल इन्हें आपको वापिस लेना पड़ सकता है।

दैनिक पंचकूला ऑब्जर्वर

सच के साथ, समाज के साथ

वर्ष : 1 | अंक : 70 | पंचकूला। वीरवार, 16 अप्रैल 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

एक नजर

सम्राट चौधरी बने बिहार के 24वें मुख्यमंत्री

पटना, 15 अप्रैल। बिहार के मुख्यमंत्री की शपथ लेने के बाद सम्राट चौधरी एक्शन में दिख रहे हैं। शपथ लेने के तुरंत बाद वे सचिवालय पहुंचे और कार्यभार संभाल लिया। उन्होंने शीर्ष अधिकारियों के साथ बैठक कर यह साफ संकेत दे दिया कि उनका कार्यकाल कार्य-उन्मुख और परिणाम-आधारित होगा। बिहार के 24वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के कुछ ही पल बाद सम्राट चौधरी सीधे सचिवालय पहुंचे, जहां उन्होंने औपचारिक रूप से मुख्यमंत्री कार्यालय का कार्यभार संभाला। इससे इस बात के भी संकेत मिलते हैं कि वे काम को लेकर भी समय बर्बाद नहीं करना चाहते। इसके तुरंत बाद, उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च-स्तरीय बैठक की जिसमें विभिन्न विभागों के प्रधान सचिव और शीर्ष अधिकारी शामिल थे। बताया जाता है कि बैठक में उन्होंने अधिकारियों से विकास योजनाओं की गति बढ़ाने सहित प्रशासनिक प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करना और लंबित विकास परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा करने की बात कही।

अमरावती विद्यालय का शानदार परीक्षा परिणाम, कक्षा 10 में छात्रों ने लहराया परचम

पंचकूला। अमरावती विद्यालय के कक्षा 10 (सत्र 2025-26) के परीक्षा परिणाम बेहद उत्कृष्ट रहे हैं। विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया। परिणामों में राघव गर्ग ने 97.8 प्रतिशत अंक हासिल कर पहला स्थान प्राप्त किया। वहीं, पारिधि चौहान (97.6 प्रतिशत) और प्रियल (97.4 प्रतिशत) ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। खुशी वर्मा ने 97.2 प्रतिशत तथा तनिषा और सुमित ने 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थानों में अपनी जगह बनाई।इसके अलावा अंश कोलिश (95.6 प्रतिशत), नीलाभा साहा (94.8 प्रतिशत), कनिष्का मिश्रा (94.8 प्रतिशत), देव साहू (94.8 प्रतिशत) और हर्षुल भारद्वाज (94.6 प्रतिशत) ने भी बेहतरीन प्रदर्शन किया। कई अन्य विद्यार्थियों ने भी 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता को साबित किया। विद्यालय प्रबंधन और शिक्षकों ने छात्रों की इस उपलब्धि पर खुशी जताते हुए उन्हें बधाई दी। प्रबंधन ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के सहयोग का परिणाम है। विद्यालय ने सभी सफल विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

विपुल गोयल और कंवरपाल गुर्जर को पंचकूला निगम चुनाव की जिम्मेदारी

प्रदेश संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ ने पंचकूला शक्तिकेंद्र प्रमुखों को किया एक्टिव, वार्ड अनुसार बैठकों का निर्देश

- अजय मित्तल बोले- हमारा प्रत्याशी कमल का फूल की भावना के साथ पार्टी का हर कार्यकर्ता एकजुट
- कार्यकर्ता निर्माण भाजपा की कार्य संस्कृति का अहम हिस्सा

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। पंचकूला नगर निगम चुनाव को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओ में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। 2014 से हरियाणा में लगातार तीसरी बार सत्ता में बने रहने से जहां एक तरफ भाजपा ने मीनी स्तर पर संगठन का अच्छा खासा विस्तार किया है वही दूसरी तरफ पार्टी में चुनावी राजनीति (इलेक्टोरल पॉलिटिक्स) की दृष्टी से तमाम भाजपा कार्यकर्ताओ ने अपने अपने एरिया में अच्छी साख भी बनाई है।

जिला अध्यक्ष अजय मित्तल ने बताया कि पंचकूला नगर निगम के लगभग सभी वार्डो से भाजपा को शानदार जीत दिलवाने में सक्षम कार्यकर्ताओ की भरमार है। अजय मित्तल ने कहा, भाजपा में सांगठनिक कार्यो के साथ साथ कार्यकर्ता निर्माण की सतत प्रक्रिया चलती रहती है, साथ ही उनमे कुशल नेतृत्व के गुणों का विकास करना भाजपा की कार्य संस्कृति का एक अहम् हिस्सा है। अजय मित्तल ने बताया कि एक दौर था जब हमें पार्षद का चुनाव ल?वाने के लिए कार्यकर्ता ढूं?ने प?ते थे, परन्तु आज परिस्थितिया बिलकुल भिन्न है। मित्तल ने कहा, केंद्र, राज्य और नगर निगम की हमारी ट्रिपल इंजन की सरकारों ने अपनी जनकल्याणकारी नीतियों और जन सेवा के कार्यों से पंचकूला की जनता का दिल जीतने का काम किया है। उन्होंने कहा, भाजपा अनुशासित कार्यकर्ताओ का एक विशाल संगठन है जहां शीर्ष नेतृत्व के प्रत्येक निर्णयों को संगठन का आदेश मान कर कार्य करने की परंपरा है। %हमारा प्रत्याशी कमल का फूल% की भावना के साथ पार्टी का हर कार्यकर्ता एकजुट होकर चुनावी समर में उतरने को सज्ज है।

अजय मित्तल ने बताया, ब?ती चुनावी सरगर्मियों के बीच चुनाव ल?ने को इच्छुक तमाम कार्यकर्ताओ ने अच्छी संख्या में अपने आवेदन पार्टी मुख्यालय पंचकमल में जमा करवाए है, आवेदन देने की आखिरी तारीख 16 अप्रैल शाम 5 बजे तक तय की गयी है।

भाजपा प्रदेश संगठन द्वारा पंचकूला नगर निगम चुनाव हेतु कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल और पूर्व शिक्षा मंत्री कंवर पाल गुर्जर को प्रभारी नियुक्त किये जाने पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए जिला अध्यक्ष अजय मित्तल ने कहा कि वरिष्ठ एवं अनुभवी नेताओं के मार्गदर्शन से पंचकूला निगम चुनाव में पार्टी को भारी लाभ होगा। अजय मित्तल ने बताया, प्रदेश संगठन मंत्री फणीन्द्र नाथ ने बुधवार को पंचकूला विधानसभा के सभी शक्ति केंद्र प्रमुखों को पार्टी मुख्यालय बुला कर बूथ स्तर पर चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया एवं सुझाव मांगे।

भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल के नेतृत्व में पंचकूला में नगर परिषद चुनाव की तैयारी तेज, भाजपा ने मांगे इच्छुक कार्यकर्ताओं से आवेदन

पंचकूला = भारतीय जनता पार्टी जिला पंचकूला द्वारा नगर परिषद चुनाव को लेकर तैयारियां तेज कर दी गई हैं। ÷राष्ट्र प्रथम÷, ÷संगठन सर्वोपरि÷ और ÷सेवा ही संगठन÷ के मूल मंत्र के साथ पार्टी ने चुनावी प्रक्रिया का शंखनाद कर दिया है। इसी क्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष अजय मित्तल के नेतृत्व में नगर निगम पंचकूला के 20 वार्डों से चुनाव लड़ने के इच्छुक कार्यकर्ताओं से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

जारी सूचना के अनुसार, जो भी समर्पित, कर्मठ और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्ध कार्यकर्ता चुनावी मैदान में उतरना चाहते हैं, वे 15 अप्रैल से 16 अप्रैल सायं 5 बजे तक भाजपा कार्यालय पंचकमल, पंचकूला में अपने आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। सभी इच्छुक उम्मीदवारों को अपने आवेदन सीधे जिला अध्यक्ष अजय मित्तल को सौंपने होंगे।

भाजपा संगठन ने स्पष्ट किया है कि पार्टी हमेशा अपने कार्यकर्ताओं को ही अपनी सबसे बड़ी ताकत मानती है और उन्हें नेतृत्व के अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध रहती है। यही कारण है कि नगर परिषद चुनाव में भी जमीनी स्तर पर सक्रिय और समर्पित कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता देने की रणनीति अपनाई जा रही है।

जिला अध्यक्ष अजय मित्तल ने कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि यह समय संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का है। उन्होंने कहा कि जो कार्यकर्ता समाज सेवा के प्रति समर्पित हैं और जनता के बीच सक्रिय भूमिका निभाना चाहते हैं, उनके लिए यह एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने सभी इच्छुक कार्यकर्ताओं से समय सीमा के भीतर आवेदन करने का आग्रह किया।

भाजपा द्वारा तय की गई इस प्रक्रिया के माध्यम से पार्टी न केवल योग्य और समर्पित उम्मीदवारों का चयन करना चाहती है, बल्कि संगठन में कार्यकर्ताओं की भागीदारी को भी सुनिश्चित कर रही है। इससे पार्टी के भीतर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को मजबूती मिलेगी और जमीनी स्तर पर संगठन और अधिक सशक्त होगा।

सूचना में यह भी स्पष्ट किया गया है कि आवेदन केवल 16 अप्रैल सायं 5 बजे तक ही स्वीकार किए जाएंगे। इसके बाद प्राप्त किसी भी आवेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। इसलिए इच्छुक कार्यकर्ताओं से अपील की गई है कि वे समय का विशेष ध्यान रखें और निर्धारित अवधि के भीतर ही अपनी उम्मीदवारी प्रस्तुत करें।

नगर परिषद चुनाव को लेकर भाजपा की इस सक्रियता से यह स्पष्ट है कि पार्टी चुनावी तैयारियों में पूरी तरह जुट चुकी है। कार्यकर्ताओं में भी इस घोषणा के बाद उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है और बड़ी संख्या में आवेदन आने की संभावना जताई जा रही है।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि भाजपा की यह रणनीति संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत करेगी तथा चुनाव में बेहतर परिणाम दिलाने में सहायक सिद्ध होगी। अब देखना यह होगा कि पार्टी किन उम्मीदवारों को मैदान में उतारती है और आगामी चुनाव में उसका प्रदर्शन कैसा रहता है।

पूर्व जिलाध्यक्ष दीपक शर्मा ने मेयर पद के लिए ठोकी दावेदारी, अजय मित्तल को सौंपा आवेदन

पंचकूला। नगर निगम चुनावों की सरगर्मियों के बीच भारतीय जनता पार्टी में मेयर पद को लेकर दावेदारियों का दौर तेज हो गया है। इसी कड़ी में आज भाजपा जिला कार्यालय पंचकूला में पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता श्री दीपक शर्मा जी ने मेयर पद के लिए अपना आवेदन पत्र जिला अध्यक्ष श्री अजय मित्तल जी को सौंपा। दीपक शर्मा का नाम सामने आते ही राजनीतिक हलकों में इस दावेदारी को खास माना जा रहा है। वे न केवल भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रह चुके हैं, बल्कि संगठन में लंबे समय तक सक्रिय भूमिका निभाते हुए उन्होंने अपनी मजबूत पहचान बनाई है। उनके अनुभव और संगठनात्मक पकड़ को देखते हुए उन्हें एक मजबूत दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। दीपक शर्मा अपने मिलनसार स्वभाव और सहज व्यक्तित्व के लिए भी जाने जाते हैं। कार्यकर्ताओं के बीच उनकी अच्छी पकड़ है और वे हर वर्ग के लोगों से संवाद बनाए रखने की क्षमता रखते हैं। यही कारण है कि संगठन में उनकी स्वीकार्यता व्यापक मानी जाती है। उनके समर्थकों का मानना है कि यदि पार्टी उन्हें मौका देती है तो वे संगठन को और मजबूती देने के साथ-साथ शहर के विकास में भी अहम भूमिका निभा सकते हैं। आवेदन सौंपने के दौरान जिला अध्यक्ष अजय मित्तल जी ने कहा कि पार्टी पूरी पारदर्शिता के साथ सभी आवेदनों पर विचार कर रही है। उन्होंने बताया कि भाजपा संगठन के प्रति समर्पण, जनसेवा और कार्यकर्ताओं के साथ जुड़ाव जैसे पहलुओं को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवार का चयन किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पार्टी नेतृत्व का उद्देश्य ऐसे उम्मीदवार को मैदान में उतारना है, जो न केवल संगठन को मजबूत करे बल्कि जनता की अपेक्षाओं पर भी खरा उतरे। दीपक शर्मा ने आवेदन देने के बाद कहा कि उन्होंने हमेशा संगठन को प्राथमिकता दी है और यदि पार्टी उन्हें जिम्मेदारी देती है तो वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य पंचकूला के समग्र विकास के साथ-साथ जनता की समस्याओं का समाधान करना होगा।

सन्नी गर्ग ने एसीबी को ईमेल से भेजा बयान, जान से मारने की धमकी का आरोप

160 करोड़ के गबन मामले में नया मोड़

पंचकूला। एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) पंचकूला में दर्ज एफआईआर नंबर 5 (दिनांक 24 मार्च 2026) से जुड़े कथित बैंक धोखाधड़ी मामले में एक नया मोड़ सामने आया है। मामले में सामने आए एक व्यक्ति सन्नी गर्ग ने अपना विस्तृत बयान एसीबी को ईमेल के माध्यम से भेजकर आरोप लगाया है कि उसे लगभग 70 करोड़ रुपये का लोन ऊंची ब्याज दर पर दिया गया था और बाद में उसे व उसके परिवार को जान से मारने की धमकियां दी गई। सन्नी गर्ग द्वारा भेजी गई ईमेल के अनुसार कोटक महिंद्रा बैंक का वाइस प्रेसीडेंट पुष्पिंदर चौधरी ने स्वाति तोमर और रजत दह्या के खातों के माध्यम से यह राशि बतौर एनसिक्योर लोन दी थी। आरोप है कि इस पर बाजार दर से काफी अधिक ब्याज वसूला जाता था।

सन्नी गर्ग की ईमेल के अनुसार 28 जनवरी 2026 को आयकर विभाग ने उसके आवास पर छापेमारी की थी, जिसमें उसने शपथपूर्वक बयान दर्ज कराया। इस दौरान व्हाट्सएप चैट समेत इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य भी जब्त किए गए, जिनमें कथित तौर पर लोन और ब्याज की मांग से संबंधित बातचीत शामिल है। सन्नी गर्ग ने यह भी कहा है कि उसने लोन की अधिकांश राशि बैंक और नकद माध्यम से वापस कर दी थी। हालांकि, आर्थिक नुकसान के चलते कुछ किस्तें समय पर नहीं चुका पाने पर आरोपी द्वारा उसे लगातार धमकाया जाने लगा।

सन्नी गर्ग ने बयान में आरोप लगाया गया है कि आरोपी खुद को प्रभावशाली बताता था और पुलिसकर्मियों की सुरक्षा के साथ चलता था। साथ ही, उसने कथित तौर पर बड़े राजनेताओं, वरिष्ठ अधिकारियों और गैंगस्टरों से संबंध होने की बात कहकर डराया-धमकाया। सन्नी गर्ग के अनुसार, आयकर छापे के बाद आरोपी का रवैया और आक्रामक हो गया और उसने 10 फरवरी 2026 तक पूरी रकम ब्याज सहित लौटाने का दबाव बनाया। ऐसा न करने पर परिवार को जान से मारने की धमकी दी गई। डर के चलते पीड़ित अपने परिवार सहित घर छोड़कर छिपने को मजबूर हो गया। इस समय वह विदेश में है। इसके अलावा, रजत दह्या की ओर से भी धमकी भरा ऑडियो संदेश मिलने का दावा किया गया है, जिसे जरूरत पड़ने पर जांच एजेंसियों को सौंपने की बात कही गई है।

सन्नी गर्ग ने अपने बयान में स्पष्ट किया है कि उसका आरोपियों से केवल लोन का ही संबंध था और उसे पैसों के वास्तविक स्रोत की जानकारी नहीं थी। उसने जांच एजेंसियों से अपील की है कि आयकर विभाग के समक्ष दिए गए उसके बयान को सत्य माना जाए और मामले की निष्पक्ष जांच की जाए। गौरतलब है कि एसीबी पहले ही इस मामले में पुष्पिंदर चौधरी, स्वाति तोमर और रजत दह्या सहित अन्य आरोपियों को कथित बैंक और नगर निगम पंचकूला से जुड़े धोखाधड़ी मामले में गिरफ्तार कर चुकी है। एफआईआर के मुताबिक नगर निगम, पंचकूला के सेक्टर-11 स्थित कोटक महिंद्रा बैंक शाखा में 16 फिक्स्ड डिपाजिट (एफडी) थे, जिनकी कुल राशि 145.03 करोड़ रुपये और मैच्योरिटी वैल्यू 158.02 करोड़ रुपये थी। इनमें से 11 एफडी, जिनकी राशि 59.58 करोड़ रुपये थी, 16 फरवरी को परिपक्व हुई थीं। जब निगम अधिकारियों ने बैंक से संपर्क किया तो उन्हें ऐसे स्टेटमेंट दिए गए जो आपस में और निगम के रिकॉर्ड से मेल नहीं खाते थे। इससे बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं का संदेह गहराया।

जांच में सामने आया है कि सनी गर्ग को स्वाति तोमर और रजत डहरा के माध्यम से, पुष्पेंद्र सिंह के जरिए करीब 70 करोड़ रुपये की राशि मिली। पुष्पेंद्र सिंह उस समय बैंक की सेक्टर-11 शाखा में मैनेजर और वर्तमान में डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट है। एसीबी द्वारा अदालत में दी गई जानकारी के अनुसार, नगर निगम पंचकूला के पूर्व सीनियर अकाउंट्स ऑफिसर विकास कौशिक ने कथित तौर पर पुष्पेंद्र सिंह के साथ मिलकर निगम के नाम पर दो फर्जी बैंक खाते खोले और असली खातों से धनराशि ट्रांसफर की।

सुनहरा अवसर : एनएचपीसी में अप्रेंटिस के 182 पदों पर भर्ती शुरू

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 15 अप्रैल। भारत सरकार की एक नवरत्न कंपनी नेशनल हाइड्रोइलेक्ट्रिक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचपीसी) के साथ अपने शानदार पेशावर करियर की शुरुआत करने की इच्छा रखने वाले युवालों के लिए एक अच्छी खबर सामने आई है। राष्ट्रीय जलविद्युत निगम लिमिटेड (एनएचपीसी) ने विभिन्न इकाइयों में अप्रेंटिस के अलग-अलग 182 पदों पर भर्ती के लिए आधिकारिक अधिसूचना जारी की है। एनएचपीसी लिमिटेड ने अप्रेंटिस के जिन अलग-अलग 182 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन मांगे हैं, उनमें ग्रेजुएट अप्रेंटिस ट्रेड के 24, डिप्लोमा अप्रेंटिस ट्रेड के 41 और आईटीआई अप्रेंटिस ट्रेड के 117 पद शामिल हैं।

एनएचपीसी की ओर से जारी पदों के लिए ऑनलाइन माध्यम से आवेदन प्रक्रिया बुधवार, यानी 15 अप्रैल, के सुबह 11 बजे से शुरू हो गई है, और अप्लाई करने की अंतिम तिथि 6 मई निर्धारित की गई है। ऐसे में जो योग्य और इच्छुक उम्मीदवार एप्लीकेशन फॉर्म भरने की सोच रहे हैं, वे आधिकारिक वेबसाइट पर जाने के बाद तय लास्ट डेट के शाम 5 बजे तक या उससे पहले अपना रजिस्ट्रेशन फॉर्म जमा कर सकते हैं।

आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों के पास किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान या विश्वविद्यालय से 10वीं उत्तीर्ण के साथ संबंधित ट्रेड में आईटीआई/डिप्लोमा/ग्रेजुएशन या मास्टर की डिग्री होनी चाहिए। इसी के साथ कैंडिडेट्स के पास अन्य निर्धारित पात्रता का होना भी अनिवार्य है।

स्व-गणना : प्रशासन के पोर्टल पर अपने घर की लोकशन से करें खुद को रजिस्टर

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। भारत सरकार द्वारा हरियाणा में 1 मई 2026 से 30 मई 2026 तक मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना शुरू की जाएगी। इससे पहले 16 अप्रैल से 30 अप्रैल तक विशेष सुविधा प्रदान की जा रही है, जिसके तहत व्यक्ति स्वयं अपनी जानकारी ऑनलाइन भर सकते हैं।

किराए पर रह रहे हों या या अपने घर से बाहर हों, ऑनलाइन स्व गणना करते समय अपने घर की लोकाशन पर खुद को रजिस्टर करें, नहीं तो, जानकारी गलत हो सकती है। जानकारी भरने के पश्चात एक 11 डिजिट का स्वं गणना आईडी नंबर जनरेट होगा। जब प्रगणक उनके घर पर आएंगे तब यह आईडी उनको प्रदान करनी होगी। इसके अतिरिक्त प्रगणक के

आईडी कार्ड को QR कोड से स्कैन किया जा सकता है।

बुधवार को डीसी सतपाल शर्मा ने यह जानकारी देते हुए बताया कि स्व-गणना एक सरल, सुरक्षित और डिजिटल सुविधा है। स्व-गणना के लिए नागरिक आधिकारिक पोर्टल (se.census.gov.in) पर अपने मोबाइल नंबर के माध्यम से ओटीपी द्वारा लॉगिन कर सकते हैं। इसके बाद उन्हें अपना राज्य, जिला और स्थानीय विवरण चुनना होगा। साथ ही डिजिटल मानचित्र पर अपने घर का स्थान चिन्हित कर मकान एवं परिवार से संबंधित जानकारी भरनी होगी। जानकारी सबमिट करने के बाद एक एसई आईडी प्राप्त होगी, जिसे सुरक्षित रखना आवश्यक है।

प्रगणक के आने पर नागरिकों को यह एसई आईडी देनी होगी, जिसके बाद प्रगणक जानकारी का सत्यापन करेंगे। इस सुविधा से समय की बचत होगी, साथ ही सटीक जानकारी और तेज डेटा प्रसंस्करण संभव होगा।

उन्होंने कहा कि स्व-गणना एक अतिरिक्त सुविधा है। यदि कोई नागरिक स्व-गणना नहीं कर पाता है, तो उसे चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि निर्धारित अवधि में प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी एकत्र करेंगे। उन्होंने आश्वस्त किया कि सभी जानकारी पूरी तरह गोपनीय और सुरक्षित रखी जाएगी।

तेज रिकवरी — सकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 1264 अंक चढ़कर 78,111 पर बंद, निफ्टी में 389 अंकों का उछाल

पंचकूला ऑब्जर्वर

मुंबई, 15 अप्रैल। वैश्विक बाजारों में तेजी और अमेरिका-ईरान के बीच शांति वार्ता फिर से शुरू होने की उम्मीदों के चलते भारतीय शेयर बाजार बुधवार को तेजी के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी, दोनों में 1.6 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,263.67 (1.63 प्रतिशत) अंकों की बढ़त के साथ 78,111.24 स्तर पर ट्रेड करते नजर आया, तो वहीं निफ्टी 388.65 अंक यानी 1.63 प्रतिशत चढ़कर 24,231.30 पर कारोबार करता नजर आया।

दिन के कारोबार में सेंसेक्स 77,981.10 पर खुलकर 78,270.42 का इंट्रा-डे हाई छुआ, तो वहीं निफ्टी 24,163.80 पर खुलकर 24,280.90

का हाई टच किया। ब्रॉडर मार्केट में और ज्यादा तेजी देखने को मिली। निफ्टी मिडकैप 100 में 2.20 प्रतिशत तो निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स में 2.35 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई। वहीं, सेक्टोरल इंडेक्स की बात करें तो बुधवार को सभी सेक्टर हरे निशान में कारोबार करते नजर आए। निफ्टी आईटी, मेटल्स, पीएसयू बैंक, मीडिया और रियल्टी सेक्टर में 2 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखने को मिली। तो वहीं निफ्टी ऑटो, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी बैंक, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त दर्ज की गई।

सोना 2,854 और चांद के दाम 12 हजार बढ़े

सोना-चांदी के दाम में भी उछाल आया। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,854 रुपए बढ़कर 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले 13 अप्रैल को इसकी कीमत 1.50 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, एक किलो चांदी 12,038 रुपए बढ़कर 2.49 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले सोमवार को इसकी कीमत 2.37 लाख रुपए प्रति किलो थी।

सोना इस साल 19,754 और चांदी 20,435 महंगी

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 19,754 रुपए और चांदी 20,435 रुपए महंगी हुई है। 31 दिसंबर 2025 को 10द सोना 1.33 लाख रुपए पर था, जो अब 1.53 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.51 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था। लेकिन, 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल की ईरान से जंग शुरू होने के बाद गिरावट देखी गई। तब से 47 दिन में सोना 6,148 रुपए और चांदी 15,845 रुपए गिरी है।

कंडी क्षेत्र में 70 साल बाद बनेंगी शानदार सड़कें

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने होशियारपुर में की 150 करोड़ रुपए के विकास कार्यों की शुरुआत

पंचकूला ऑब्जर्वर

टांडा (होशियारपुर), 15 अप्रैल। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने बुधवार को होशियारपुर के टांडा उड़मुड़ में 150 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि कंडी क्षेत्र में दशकों से लंबित बुनियादी सुविधाओं को अब तेजी से विकसित किया जाएगा और 70 साल बाद इलाके में आधुनिक सड़क नेटवर्क तैयार होगा। मुख्यमंत्री ने बताया कि 141.88 करोड़ रुपये की लागत से लिंक सड़कों का नवीनीकरण और अपग्रेडेशन किया जाएगा।

इसके अलावा पीडब्ल्यूडी द्वारा होशियारपुर-दसूहा रोड से गुरुद्वारा रामपुर खेड़ा को जोड़ने वाली लिंक सड़क पर 2.39 करोड़ रुपये की लागत से हाई-लेवल पुल बनाया जाएगा।

टांडा उड़मुड़ क्षेत्र वर्षों से राजनीतिक भेदभाव का शिकार रहा

सीएम ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करने के लिए कंधाला शेखां, राजपुर, धुग्गा कलां, प्रेमपुर, गिलजियां और जहूरा गांवों में 3.30 करोड़ रुपये की लागत से हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। वहीं गढ़दीवाला में 1.35 करोड़ रुपये से शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और गांव तलवंडी डड्डियां में 1.54 करोड़ रुपये की जल आपूर्ति परियोजना भी शुरू की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि टांडा उड़मुड़ क्षेत्र वर्षों से राजनीतिक भेदभाव का शिकार रहा है, लेकिन अब राज्य सरकार क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में अब तक 990 आम आदमी क्लीनिक खोले जा चुके हैं, जहां मुफ्त दवाइयां और जांच सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही हैं। शिक्षा के क्षेत्र में उपलब्धियों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि पंजाब ने राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 में पहला स्थान हासिल किया है और राज्य में 'स्कूल ऑफ एमिनेंस' स्थापित किए जा रहे हैं। राजनीतिक टिप्पणी करते हुए मुख्यमंत्री ने अकाली दल और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछली सरकारों ने विकास कार्यों की अनदेखी की और लोगों को बांटने की राजनीति की।

10 लाख तक का हो रहा फ्री इलाज

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि प्रदेश के हर परिवार को 10 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज दिया जा रहा है और 30 लाख से अधिक लाभार्थी पहले ही स्वास्थ्य कार्ड प्राप्त कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत 1.65 लाख लोगों को मुफ्त इलाज मिल चुका है। उन्होंने कहा कि लोगों को इन कार्डों का अधिकतम लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के इतिहास में पहली बार धान के सीजन के दौरान ट्यूबवेलों को आठ घंटे से अधिक निर्बाध बिजली आपूर्ति दी गई है।

गेहूं की खरीद सुचारू रूप से करने और कीमत में कटौती के खिलाफ किसान कल ट्रेनें रोकेंगे

पंचकूला ऑब्जर्वर

जगराओं 15 अप्रैल। भारतीय किसान यूनियन एकता डकौंदा के जिला अध्यक्ष जगतार सिंह देहरका के नेतृत्व में एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल गेहूं की खरीद सुचारू रूप से करने और संभावित कीमत कटौती के खिलाफ स्थानीय स्ष्ठरू उपिंदरजीत कौर बराड़ से मिला। इससे पहले, सबडिवीजन ऑफिस के बाहर उन्होंने मंडियों में किसानों को परेशान करने के खिलाफ नारे लगाए और पंजाब और केंद्र सरकारों को चेतावनी दी कि वे किसानों का किसी भी तरह का नुकसान न करें। इस समय बोलते हुए जिला सचिव इंदरजीत सिंह धालीवाल, तरसेम सिंह बसुवाल ने कहा कि मौसम की मार के कारण किसानों की मदद करने के बजाय, स्नष्टद्ग द्वारा मंडियों से लिए जा रहे गेहूं के सैंपलों में गेहूं के दाने काले और सिकुड़े हुए बताए जा रहे हैं और गेहूं की खरीद दर कम कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि जब किसान पहले से ही कर्ज में डूबे हुए हैं, तो ऐसी धक्का-मुक्की कभी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि 17 अप्रैल को भारतीय किसान यूनियन एकता डकौंदा के नेतृत्व में पूरे पंजाब में ट्रेन जाम किया जा रहा है। इसी सिलसिले में उस दिन पूरे इलाके के किसान जगराओं रेलवे स्टेशन पर दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक ट्रेनें रोकेंगे। इस समय ब्लॉक सेक्रेटरी रछपाल सिंह नवां डल्ला ने कहा कि पंजाब के दोनों किसान मोर्चों से जुड़े करीब तीन दर्जन किसान संगठन इस चक्का जाम में हिस्सा लेंगे। इस संबंध में डेलीगेशन ने सेक्रेटरी मार्केट कमेटी से भी मुलाकात की और किसानों को लामबंद करने के लिए नई अनाज मंडी में एक रैली भी की गई। जिसमें गलाण मजदूर यूनियन के वर्कर भी शामिल हुए।

स्वास्थ्य पैसों से नहीं खरीदा जा सकता, लेकिन स्वास्थ्य कार्ड के जरिए इसे सुरक्षित जरूर किया जा सकता है

'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना' से जुड़ी सभी गलतफहमियां दूर

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 15 अप्रैल। भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना' (एमएमएसवाई) देश की सबसे व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य सुरक्षा योजनाओं में तेजी से उभर रही है। इस योजना के तहत राज्य के प्रत्येक परिवार को प्रति वर्ष 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जा रहा है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर ही नहीं, बल्कि हर वर्ग के लोगों को बड़ी राहत मिल रही है। योजना की शुरुआत के बाद से इसका विस्तार तेजी से हुआ है। अब तक लगभग 39 लाख स्वास्थ्य कार्ड जारी किए जा चुके हैं और विभिन्न जिलों में कैंप, कम्युनिटी सर्विस सेंटर, सुविधा केंद्र और अन्य सरकारी संस्थानों के माध्यम से रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया लगातार जारी है। सरकार का लक्ष्य लगभग 65 लाख परिवारों को इस योजना के दायरे में लाना है, जिससे करीब 3 करोड़ लोगों को लाभ मिल सके।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि यह योजना लोगों को आर्थिक रूप से सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

उन्होंने बताया कि इसके माध्यम से परिवार बिना किसी भुगतान के जीवन रक्षक और महत्वपूर्ण इलाज प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे समय रहते रजिस्ट्रेशन कराएं, ताकि जरूरत पड़ने पर बिना किसी रुकावट के कैशलेस इलाज का लाभ लिया जा सके। उन्होंने आगे कहा कि इस योजना का उद्देश्य पंजाब को एक ऐसी डिजिटल और कैशलेस स्वास्थ्य प्रणाली की ओर ले जाना है, जहां हर व्यक्ति को समय पर इलाज मिल सके और आर्थिक कारणों से इलाज में देरी न हो। इस योजना के तहत 2300 से अधिक उपचार प्रक्रियाएं शामिल की गई हैं और पंजाब व चंडीगढ़ के 850 से अधिक सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में इलाज की सुविधा उपलब्ध है। इसमें हृदय रोगों का इलाज, कैंसर उपचार, डायलिसिस, आर्थोपेडिक सर्जरी जैसे घुटना प्रत्यारोपण, नवजात शिशु देखभाल और दीर्घकालिक बीमारियों का प्रबंधन शामिल है। यह सभी सेवाएं निर्धारित पैकेज दरों के अंतर्गत पूरी तरह कैशलेस प्रदान की जाती हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2026 के पॉलिसी वर्ष में अब तक 1.09 लाख से अधिक लाभार्थी करीब 340 करोड़ रुपये के इलाज का लाभ उठा चुके हैं, जो इस योजना की प्रभावशीलता और व्यापक स्वीकार्यता को दर्शाता है। इस योजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसका लाभ जाति, धर्म, लिंग या आय के आधार पर सीमित नहीं है, बल्कि राज्य के सभी पात्र निवासियों के लिए उपलब्ध है। हालांकि, अभी भी कुछ भ्रांतियां समाज में बनी हुई हैं, जिन्हें स्पष्ट करना आवश्यक है। पहली गलतफहमी यह है कि यह केवल पुरानी योजनाओं का विस्तार है, जबकि वास्तविकता यह है कि इसमें कवरेज राशि को 5 लाख से बढ़ाकर 10 लाख रुपये प्रति परिवार प्रति वर्ष किया गया है और पात्रता का दायरा भी व्यापक किया गया है।

कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा, डॉ. बलबीर सिंह और बरिंदर कुमार गोयल ने की शुरुआत

कम्युनिटी हेल्थ सेंटर, लहरागागा में ओपीडी और आईपीडी सेवाएं शुरू

- लहरागागा में मेडिकल कॉलेज और अस्पताल खोलने की दिशा में पहला कदम
- क्षेत्र की अर्थव्यवस्था को भी मिलेगा बड़ा बढ़ावा

पंचकूला ऑब्जर्वर

लहरागागा, 15 अप्रैल। पंजाब सरकार द्वारा लहरागागा में मेडिकल कॉलेज और अस्पताल स्थापित करने के ऐतिहासिक निर्णय की दिशा में पहला ठोस कदम उठाते हुए, कम्युनिटी हेल्थ सेंटर (सीएचसी) लहरागागा में विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाओं सहित ओपीडी (आउट पेशेंट डिपार्टमेंट) और आईपीडी (इन पेशेंट डिपार्टमेंट) सेवाओं की शुरुआत कर दी गई है। इस पहल का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा, डॉ. बलबीर सिंह और बरिंदर कुमार गोयल द्वारा संयुक्त रूप से किया गया।

यह कम्युनिटी हेल्थ सेंटर, जो पहले जर्जर स्थिति में था, अब पूरी तरह से नवीनीकरण के बाद आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं से लैस कर दिया गया है। इस सेंटर के शुरू होने से लहरागागा और इसके लगभग 50 किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांवों और कस्बों के लोगों को सीधे लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने बताया कि इन स्वास्थ्य सेवाओं का संचालन जनहित ट्रस्ट के यूनिट 'अचार्य विद्यानंद जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च' द्वारा किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस पहल से लहरागागा की पहचान अब केवल संगरूर जिले तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित होगी।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने स्पष्ट किया कि इस संस्थान को किसी भी रूप में निजीकरण के तहत नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है और इसी भावना के तहत इस संस्थान को जनहित ट्रस्ट के माध्यम से संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य सेवा है नाकि मुनाफा कमाना।

उन्होंने आगे बताया कि राज्य सरकार के निरंतर प्रयासों से, लंबे समय से बंद पड़े बाबा हीरा सिंह भट्ठल इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी को अब मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के रूप में पुनः शुरू किया जा रहा है। यह मेडिकल कॉलेज मूनक और खनौरी क्षेत्रों को भी कवर करेगा और वहां के अस्पतालों को भी इससे जोड़ा जाएगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि पहले इस क्षेत्र में विशेषज्ञ डॉक्टरों और उन्नत स्वास्थ्य सुविधाओं की भारी कमी थी, लेकिन मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में राज्य सरकार इस दिशा में तेजी से काम कर रही है। उन्होंने कहा कि इस परियोजना से न केवल लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं मिलेंगी, बल्कि क्षेत्र में आर्थिक विकास और रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। इस दौरान उन्होंने सीएचसी में सेवाएं दे रहे विशेषज्ञ डॉक्टरों को सम्मानित भी किया।

कैबिनेट मंत्री श्री बरिंदर कुमार गोयल ने बताया कि इस मेडिकल कॉलेज परियोजना को इस मुकाम तक पहुंचाने में वित्त मंत्री स. हरपाल सिंह चीमा और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. बलबीर सिंह का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि अगले वर्ष से यहां नर्सिंग की कक्षाएं शुरू की जाएंगी, साथ ही एमडी और एमएस जैसे उच्च चिकित्सा पाठ्यक्रम भी आरंभ किए जाएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि पहले इस क्षेत्र के कई प्रतिभाशाली छात्र संसाधनों की कमी के कारण डॉक्टर बनने का सपना पूरा नहीं कर पाते थे, लेकिन अब उन्हें अपने क्षेत्र में ही बेहतर शिक्षा और प्रशिक्षण के अवसर मिलेंगे।

मेडिकल कॉलेज में 100 एमबीबीएस सीटों और कम से कम 440 बिस्तरों की व्यवस्था की जाएगी

उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि पहले आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं की कमी के कारण लोगों को संगरूर या पटियाला जाना पड़ता था, जिससे कई बार समय पर इलाज न मिलने के कारण जान का नुकसान हो जाता था। अब स्थानीय स्तर पर ही बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होने से ऐसी स्थितियों में सुधार आएगा। मेडिकल कॉलेज में 100 एमबीबीएस सीटों की क्षमता होगी और इसमें कम से कम 440 बिस्तरों की व्यवस्था की जाएगी। प्रवेश प्रक्रिया और शुल्क संरचना राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों और नोटिफिकेशनों के अनुसार ही लागू की जाएगी। इस अवसर पर जनहित ट्रस्ट के चेयरमैन डॉ. धर्मपाल जैन, ट्रस्ट सदस्य डॉ. रजनीश जैन, एसडीएम राकेश प्रकाश गर्ग, सिविल सर्जन डॉ. अमरजीत कौर, नगर काउंसिल अध्यक्ष श्रीमती कांता गोयल, श्री गौरव गोयल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति, अधिकारी और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

सुखबीर सिंह बादल को पेशी से छूट

चंडीगढ़, 15 अप्रैल। नौ वर्ष पुराने मानहानि मामले में बुधवार को सुनवाई के दौरान पंजाब के पूर्व उप मुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की ओर से व्यक्तिगत पेशी से छूट की अर्जी दायर की गई, जिसे अदालत ने स्वीकार कर लिया। यह अर्जी उनके वकील राजेश कुमार राय के माध्यम से अतरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश की गई। अदालत ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 23 अप्रैल की तिथि निर्धारित की है। अर्जी में बताया गया कि 15 अप्रैल को मामले की सुनवाई निर्धारित थी, लेकिन इसी दिन पारिवारिक कारणों की वजह से पंजाब से बाहर है। अर्जी में अदालत को आश्वस्त किया गया कि सुखबीर सिंह बादल अगली सुनवाई पर निश्चित रूप से स्वयं उपस्थित होंगे। साथ ही स्पष्ट किया गया कि उनकी अनुपस्थिति जानबूझकर नहीं, बल्कि विशेष परिस्थितियों के कारण है। अदालत ने इन तथ्यों को रिकॉर्ड पर लेते हुए पेशी से छूट प्रदान कर दी। अदालत द्वारा गैर-जमानती वारंट जारी किए जाने के बाद सुखबीर सिंह बादल जनवरी में अदालत में पेश हुए थे। यह मामला वर्ष 2017 का है, जिसमें मोहाली निवासी और अखंड कीर्तनी जत्था के प्रवक्ता राजिंदर पाल सिंह ने जिला अदालत चंडीगढ़ में भारतीय दंड संहिता की धारा 499 के तहत मानहानि की शिकायत दायर की थी।

गुरमीत सिंह खुड्डियां ने वेटरनरी अधिकारियों, इंस्पेक्टरों और डेयरी विकास इंस्पेक्टरों को नियुक्ति पत्र सौंपे

चंडीगढ़, 15 अप्रैल। राज्य के पशुपालन क्षेत्र को और मजबूत बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए पंजाब के पशुपालन, डेयरी विकास और मत्स्य पालन मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने तीन वेटरनरी अधिकारियों, एक वेटरनरी इंस्पेक्टर और 16 डेयरी विकास इंस्पेक्टरों (ग्रेड-2) को नियुक्ति पत्र सौंपे। उन्होंने बताया कि पिछले चार वर्षों के दौरान पशुपालन विभाग में कुल 1257 भर्तियां की गई हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 2022 से अब तक मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा पारदर्शी तरीके से योग्यता के आधार पर 619 वेटरनरी अधिकारियों और 579 वेटरनरी इंस्पेक्टरों की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा 16 क्लर्क (मुख्य कार्यालय), 2 मिल्क रिकॉर्डर, 7 लैब सहायक, 7 कंप्यूटर ऑपरेटर/गणनाकार/पंचर, 1 मशीन ऑपरेटर, 1 इनक्यूबेटर ऑपरेटर, 2 लीगल क्लर्क और 8 स्टेनोटाइपिस्टों की भी भर्ती की गई है। पशुपालन मंत्री ने बताया कि कुल 14 क्लर्कों और 1 लैब सहायक को सहानुभूति (दया) के आधार पर नियुक्त किया गया है। नव-नियुक्त अधिकारियों को बधाई देते हुए स खुड्डियां ने उन्हें अपनी ड्यूटी पूरी ईमानदारी और समर्पण के साथ निभाने के लिए प्रेरित किया।

मंत्री कटारूचक्क ने सरना दाना मंडी में गेहूं की खरीद प्रक्रिया शुरू करवाई

पंचकूला ऑब्जर्वर

पठानकोट, 15 अप्रैल। पठानकोट के विधानसभा क्षेत्र भोआ के अंतर्गत आने वाली सरना दाना मंडी (राजन की मंडी) में पंजाब के कैबिनेट मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने गेहूं की खरीद प्रक्रिया की शुरुआत करवाई। इस अवसर पर उन्होंने मंडी में किए गए प्रबंधों का जायजा लिया और किसानों से बातचीत भी की। इस मौके पर अन्य गणमान्य व्यक्तियों में श्री विकास सैनी (चेयरमैन मार्केट कमेटी पठानकोट), राज ऋषि मेहरा (जिला खाद्य एवं आपूर्ति नियंत्रक), नितिन ठाकुर (सदस्य जिला परिषद), भूपिंदर सिंह (सदस्य जिला परिषद), पवन कुमार (चेयरमैन ब्लॉक समिति घरोटा), संदीप कुमार (ब्लॉक प्रधान) सहित आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

इस दौरान संबोधित करते हुए कैबिनेट मंत्री श्री कटारूचक्क ने कहा कि पूरे पंजाब में गेहूं की खरीद 1 अप्रैल से शुरू कर दी गई है और मंडियों में किसानों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक प्रबंध किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी भी किसान को मंडी में किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

उन्होंने कहा कि खरीद से संबंधित सभी एजेंसियों के लिए आवश्यक तंत्र तैयार किया गया है और अधिकारी लगातार मंडियों का दौरा कर स्थिति का जायजा ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों में खराब मौसम के कारण खरीद की गति थोड़ी प्रभावित हुई थी, लेकिन अब मौसम में सुधार के साथ मंडियों में गेहूं की आवक तेजी से बढ़ रही है।

गैंगस्टरों ते वार का 85वां दिन: पंजाब पुलिस ने 506 स्थानों पर छापेमारी कर 254 किए गिरफ्तार

चंडीगढ़, 15 अप्रैल। गैंगस्टरों ते वार मुहिम के 85वें दिन, पंजाब पुलिस ने आज राज्य भर में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित और मैप किए गए 506 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरों ते वार' पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के उद्देश्य से 20 जनवरी 2026 को पुलिस महानिदेशक (डी जी पी) पंजाब गौरव यादव द्वारा शुरू की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (ए जी टी एफ) पंजाब के समन्वय में सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्यभर में विशेष अभियान चला रही हैं। 85वें दिन, पुलिस टीमों ने चार हथियारों सहित 254 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे इस अभियान की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 21,408 हो गई है। इसके अलावा, 92 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई है, जिनके पास से छह हथियार बरामद किए गए हैं, जबकि 121 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने चार भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है। लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में जानकारी साझा कर सकते हैं।

बीबीएमबी में भर्तियां खोलने का केंद्र का कदम पंजाब के दरियाओं के पानी पर कब्जा करने की कोशिश है: बलतेज

- पंजाब पहले ही गिरते जलस्तर और स्वास्थ्य संकट से बहुत परेशान है, आगे और शोषण नहीं होने देगा

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 15 अप्रैल। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के स्टेट मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नू ने भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड में हाल ही में किए गए बदलावों को लेकर भाजपा की केंद्र सरकार की आलोचना की (बीबीएमबी) के खिलाफ़ कार्रवाई की मांग करते हुए, उन्होंने कहा कि यह कदम पंजाब की नदियों के पानी पर कब्ज़ा करने और राज्य के अपने संसाधनों पर कानूनी अधिकारों को कमज़ोर करने की एक बड़ी कोशिश है। बुधवार को चंडीगढ़ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में, बलतेज पन्नू ने कहा कि पंजाब का अन्याय का सामना करने का एक लंबा इतिहास रहा है, लेकिन राज्य ने हमेशा मज़बूती से जवाब दिया है, भले ही पहले राज्य के अंदर के कुछ नेताओं ने इसकी स्थिति को कमज़ोर किया हो।

उन्होंने कहा कि पंजाब के साथ हुए अन्याय की कहानी लंबी है, लेकिन राज्य के लोगों ने हमेशा दोगुनी ताकत से इसका मुकाबला किया है। दुर्भाग्य से, पहले पंजाब के ही कुछ नेताओं ने राज्य के हितों को कमज़ोर करने में भूमिका निभाई थी।

राज्य मीडिया इंचार्ज ने कहा कि बीबीएमबी के ज़रूरी पदों को देश भर के उम्मीदवारों के लिए खोलने का केंद्र का फ़ैसला पंजाब पुनर्गठन एक्ट, 1966 और बीबीएमबी के गठन के समय किए गए प्रबंधों की भावना विरुद्ध है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुर्नगठन एक्ट, 1966 के तहत और बाद में 1976 में जब बीबीएमबी का गठन हुआ था, तो ये ज़रूरी पद पंजाब के लिए थे। अब, केंद्र अपने अफ़सरों को तैनात करके कंट्रोल अपने हाथ में करना चाहता है।

इस घटनाक्रम को पंजाब के पानी के स्त्रोतो को लूटने के बड़े एजेंडा से जोड़ते हुए, बलतेज पन्नू ने इशारा किया कि हरियाणा पिछले साल ही अपने निर्धारित हिस्से का पानी खत्म कर चुका था और बाद में उसने और सप्लाई की मांग की थी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने साफ़ कर दिया था कि अगर हरियाणा अपने हिस्से का ठीक से इस्तेमाल नहीं कर पाया है, तो यह उनकी गलती है, पंजाब की नहीं। इस साल भी, पंजाब ने बार-बार हरियाणा को पानी का कम इस्तेमाल करने की सलाह दी है। बलतेज पन्नू ने आगे कहा कि मौजूदा अफ़सरों को हटा कर उनकी जगह केंद्र से जुड़े व्यक्तियों को लगाने की कोशिश की जा रही है ताकि पंजाब के पानी से जुड़े फ़ैसलों को प्रभावित किया जा सके। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि पंजाब पहले से ही जमीनी पानी के बहुत ज़्यादा इस्तेमाल और उसके नतीजों का खामियाज़ा भुगत रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब पहले से ही बहुत परेशान है, धान की खेती की वजह से हमारा ग्राउंड वॉटर खत्म हो गया है, और पेस्टिसाइड्स की वजह से लोग कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं।

एसवाईएल नहर मुद्दे के इतिहास को याद करते हुए बलतेज पन्नू ने कहा कि पिछली कांग्रेस और अकाली सरकारों ने ऐसे फैसले लिए जो पंजाब के हितों के खिलाफ थे। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री दरबारा सिंह के कार्यकाल के दौरान हुए समझौतों, प्रकाश सिंह बादल के शासन में जमीन के बंटवारे और तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा नींव रखे जाने का हवाला दिया और कहा कि ऐसे फैसलों की वजह से राज्य में अशांति फैली। उन्होंने कहा कि इन फैसलों की वजह से पंजाब में अशांति रही है, और लोग इसे भूले नहीं हैं।

मुख्यमंत्री मान द्वारा कड़े स्टैंड की तारीफ करते हुए बलतेज पन्नू ने कहा कि पंजाब सरकार ने पानी के बंटवारे को लेकर लगातार राज्य के अधिकारों की रक्षा की है। उन्होंने कहा कि मान साहब ने एसवाईएल पर लगातार कड़ा स्टैंड लिया है। उन्होंने सही कहा कि अगर यह सतलुज-यमुना लिंक है, तो यमुना का पानी पहले पंजाब पहुंचना चाहिए। सिंचाई के इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने की भगवंत मान सरकार की कोशिशों पर रोशनी डालते हुए, बलतेज पन्नू ने कहा कि पिछले सालों में नहर के पानी का इस्तेमाल तेज़ी से बढ़ा है, जिससे ग्राउंड वॉटर पर निर्भरता कम हुई है।

एक नजर

तीन दिवसीय 'एडिट एक्स-एआई कंटेंट क्रिएशन' कार्यशाला का आयोजन

हिसार. गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार (गुजविप्रौवि) के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल के अंतर्गत मीडिया क्लब द्वारा एडिट एक्स – एआई कंटेंट क्रिएशन विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन चै. रणबीर सिंह ऑडिटोरियम के सेमिनार हॉल-2 में किया गया। इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों के लगभग 125 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नरसी राम बिश्नोई ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों की डिजिटल दक्षता, रचनात्मकता और औद्योगिक तैयारी को मजबूत करते हैं। उन्होंने विशेष रूप से इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान समय में एआई टूल्स में दक्षता हासिल करना अत्यंत आवश्यक हो गया है, और विद्यार्थियों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे रहने के लिए इन तकनीकों को अपनाना चाहिए। कुलसचिव डॉ. विजय कुमार ने विद्यार्थियों को ऐसे कौशल-आधारित कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि एआई आधारित तकनीकों में दक्षता रोजगार के अवसरों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और यह तेजी से विकसित हो रहे डिजिटल परिवेश में सफलता की कुंजी है। यह कार्यशाला रेडियल कोड के सहयोग से आयोजित की गई, जिसमें सुमित शर्मा (लीड इंस्ट्रक्टर), पवन चाहल (मैनेजमेंट) तथा प्रशिक्षक प्रदीप वर्मा, योगेश, प्रीति और लक्ष्य का विशेष योगदान रहा। निदेशक (प्लेसमेंट) डॉ. प्रताप सिंह ने बताया कि वास्तविक कार्य वातावरण का अनुभव देने के लिए प्रतिभागियों को 13 टीमों में विभाजित किया गया, जो डिजिटल कंटेंट प्रोडक्शन एजेंसियों के रूप में कार्य कर रही थीं। कार्यशाला में एआई आधारित कंटेंट क्रिएशन की पूरी प्रक्रिया जैसे आइडिएशन, इमेज जनरेशन, वीडियो निर्माण और एडिटिंग पर प्रशिक्षण दिया गया। विद्यार्थियों को प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग, स्टोरीटेलिंग और आधुनिक एआई टूल्स का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान किया गया। निरंतर मार्गदर्शन और फीडबैक के माध्यम से सभी टीमों ने अंत में पब्लिश-रेडी रील तैयार की। सहायक निदेशक डॉ. आदित्य वीर सिंह ने बताया कि अंतिम दिन प्रोजेक्ट प्रस्तुति आयोजित की गई, जिसमें सभी टीमों ने अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। टीम 12 ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। उल्लेखनीय प्रतिभागियों में नवीन, अमित, विशाल, प्रकाश, मानसी, रोहित, पूजा, स्वीटी, रिया, दीक्षा, प्रिया सहारण और योवन जांगड़ा शामिल रहे।

बाबा साहेब ने वंचितों को दिए अधिकार, शिक्षा की पैरवी की : डॉ. खेदड़

हिसार। भाजपा जिला कार्यालय में संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जन्म जयंती पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ की अध्यक्षता में हुए कार्यक्रम में पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब को पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर हर वर्ग के आदरणीय महापुरूष हैं। उनका बनाए संविधान के अनुसार ही हमारे शासन व्यवस्था चल रही है। बाबा साहेब ने शिक्षा की पुरजोर पैरवी की। उनका कहना था कि शिक्षा शेरनी का वो दूध है, जो पीएगा वो दहाड़ेगा। उनकी कही गई ये बात आज भी सत्य है क्योंकि शिक्षा के बिना इंसान की तरक्की संभव नहीं है। उन्होंने पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे बाबा साहेब के दिखाए मार्ग पर चलें और उनकी शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार करें। जिला मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया की बाबा साहेब की जन्म जयंती पर पूरे जिले की विधानसभा में मंडल एवं बूथ स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिला कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ के अलावा जिला उपाध्यक्ष संजीव रेवड़ी, अनिल सैनी, कोषाध्यक्ष अशोक मित्तल, जिला सचिव कुलदीप डेलू, जिला प्रवक्ता पीयूष मेहता, मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा, सुरेश जांगड़ा, राजकुमार इंदौरा, किसान मोर्चा अध्यक्ष अजय बैनीवाल, धर्मवीर पानू, विक्रम कासनिया, चेयरमैन अजय गावड़, विकास जैन, धर्म सिंह खटकड़, सतीश महत्ता, डॉ. रमेश आर्य, सुभाष जांगड़ा, सुनील कुमार, सियाराम रावतखेो, मुकेश ड्कुमार, राजेन्द्र ढाका, रघबीर सिंह, राजेश बैनीवाल व मुकेश सैनी सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने बाबा साहेब को याद किया।

सरकार किसान व सरकारी अनाज मंडियां बर्बाद करने पर खुली हुई है : गर्ग

हिसार. हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष व हरियाणा कान्फैड के पूर्व चेयरमैन बजरंग गर्ग ने अनाज मंडी में व्यापारियों की मीटिंग लेने के उपरांत पत्रकार वार्ता में कहा कि हरियाणा सरकार किसान व आढ़तियों के साथ पोर्टल-पोर्टल खेल रही है जबकि हरियाणा सरकार का पोर्टल काम तक नहीं करता है। हरियाणा का किसान गेहूं बेचने के लिए 14 दिनों से मंडियों में धक्के खा रहे हैं। अनाज मंडियों में ना तो गेहूं की खरीद व उठान हो रहा है। गेहूं की खरीद व उठान ना होने के कारण मंडी व मंडी के बाहर जाम लगा हुआ है। बजरंग गर्ग ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा नए-नए नियम बनाकर प्रदेश के किसान व आढ़तियों को नाजायज तंग किया जा रहा है। जिसे किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सरकार ने अगर तुरंत प्रभाव से गेहूं की खरीद व उठान नहीं किया तो व्यापार मंडल मंडियों का गेट बंद करके धरना देगा। सरकार ने तुरंत प्रभाव से गेहूं की खरीद, उठान व भुगतान नहीं किया तो व्यापार मंडल हरियाणा बंद करके सड़कों पर उतरेगा हरियाणा सरकार किसान व सरकारी अनाज मंडियां बर्बाद करने पर तुली हुई है। सरकार ने अनाज खरीद के लिए बायोमेट्रिक, ट्रैक्टर की नंबर प्लेट, तीन गारंटर जैसे नियम बनाकर किसान व आढ़तियों को तंग किया जा रहा है, जिसे किसी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा। बड़े अफसोस से कहना पड़ता है हरियाणा में तो खुला नशा जैसे अफीम, गांजा, चिट्टा तो बिकेगा मगर किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए अंगूठा टिकाया जा रहा है और आंखों को स्कैन करवानी पड़ रही है जबकि लाखों मीट्रिक टन गेहूं मंडी व खरीद सेन्टरों खुले में पड़ी है जो कई दिनों से खराब हो रही है। बजरंग गर्ग ने कहा कि मंडियों में अनाज खरीद के लिए कोई पुख्ता प्रबंध सरकार की तरफ से नहीं है। सरकार की तरफ से गेहूं खरीद के लिए लकड़ी के कैरेट व तिरपाल तक नहीं है। मुख्यमंत्री के गेहूं खरीद उठान व भुगतान 48 घंटे में करने के सभी दावे पुरी तरह से फेल हैं जबकि 14 दिन से गेहूं का उठान तक नहीं हुआ तो ऐसे में भुगतान कहां से हो जाएगा।

करनाल में भारतीय जनता पार्टी ने नारी शक्ति पदयात्रा निकाली

महिलाएं अब संसद और विधानसभाओं में आवाज उठाएंगी : सुमन सैनी

पंचकूला ऑब्जर्वर

करनाल. नारी शक्ति वंदन अभियान के तहत महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से करनाल में भारतीय जनता पार्टी ने नारी शक्ति पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लेकर जागरूकता का संदेश दिया। यात्रा शहर के प्रमुख बाजारों और चौकों से होती हुई पुरानी मंडी में संपन्न हुई। कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ उत्साह का माहौल देखने को मिला। पदयात्रा से पहले श्री रघुनाथ मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें महिलाओं ने बढ़-चढ ?र हिस्सा लिया। इसके बाद हरियाणा बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष एवं सीएम नायब सिंह सैनी की पत्नी सुमन सैनी ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। इस

अवसर पर मेयर रेनू वालाप गुप्ता, विधायक जगमोहन आनंद जिलाध्यक्ष प्रवीण लाठर, निर्मल बैंरागी, मीना चौहान यात्रा श्री रघुनाथ मंदिर चौक से शुरू होकर गांधी चौक, सदर बाजार, जवाहर मार्किट, नावेल्टी चौक, दयालपुरा गेट और करण गेट से होते हुए पुरानी मंडी के शेड में समाप्त हुई।महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर मीडिया से बातचीत में सुमन सैनी ने कहा कि नारी वंदन अधिनियम 2023 लागू होने जा रहा है, जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार है। उन्होंने कहा कि महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और अब राजनीति में भी अपनी भागीदारी चाहती हैं। हरियाणा में पहले ही पंचायतों में 50 प्रतिशत महिलाएं सक्रिय हैं। राजनीति में 33 प्रतिशत आरक्षण से बढ़ेगी भागीदारी सुमन सैनी ने बताया कि अब 33 प्रतिशत महिलाएं विधायक और सांसद बनकर लोकसभा और विधानसभा में अपनी आवाज उठाएंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हर योजना में महिलाओं को प्राथमिकता देते हैं। सरकार की योजनाओं से महिलाओं को मिल रहा लाभउन्होंने कहा कि सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार योजनाएं चलाई जा रही हैं। घोषणा पत्र में किए गए वादों के अनुसार लाडो लक्ष्मी योजना लागू की गई है और महिलाओं के खातों में किस्त डाली जा रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री दोनों ही महिलाओं की चिंता करते हैं और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने का काम कर रहे हैं।महिला आरक्षण बिल लाना एक ऐतिहासिक कदम ‒ जगमोहन आनंद इस अवसर पर विधायक जगमोहन आनंद ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम 2023 के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा महिला आरक्षण बिल (33 प्रतिशत) लाना एक ऐतिहासिक कदम है। अब महिलाएं केवल घर के चूल्हे तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि विधानसभा और संसद में बैठकर देश के लिए कानून बनाएंगी। वह दिन दूर नहीं जब इसी आरक्षण के माध्यम से प्रदेश को महिला मुख्यमंत्री भी मिल सकती है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी योग्यता सिद्ध कर रही हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के सपनों को सच करने का माध्यम‒ रेनू बाला गुप्ता इस अवसर पर महापौर रेणु बाला गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानून नहीं, बल्कि करोड़ों महिलाओं के सपनों को सच करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसी अधिनियम के लिए 16 से 18 अप्रैल तक विशेष सत्र बुलाया है। यह अधिनियम महिलाओं को नए अवसर प्रदान करेगा। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष प्रवीन लाठर, हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण की धर्मपत्नी रेशमा कल्याण, विधायक जगमोहन आनंद की धर्मपत्नी रेखा आनंद, हरियाणा वाणी एवं श्रवण बाधित व्यक्तियों के लिए कल्याण समिति की उपाध्यक्ष एवं चेयरपर्सन मेघा भंडारी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रियंका कठपाल, भाजपा नेता बृज गुप्ता, भाजपा नेत्री रजनी परोचा, पार्षद अमृत लाल जोशी व संकल्प भंडारी सहित अन्य पार्षद, जिला मीडिया प्रभारी डॉ. अशोक कुमार, मंडल अध्यक्ष मोहन लोधी, नवीन बत्रा व गौरव खुराना, प्रशासन की ओर से एडीसी डॉ. राहुल रईया, सीटीएम मोनिका शर्मा, सीईओ जिला परिषद अमित कुमार, महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी डॉ राजबाला मोर, सीडीपीओ, सुपरवाइजर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायक, शिक्षा विभाग व स्वयं सहायता समूह तथा सामाजिक संस्थाओं से जुड़ी महिलाएं मौजूद रहीं।

ई-दिशा केंद्र में फीस न कटने से परेशान लोग, सीएचसी सेंटरों पर डबल वसूली का आरोप

लाडवा. एक तरफ तो हरियाणा सरकार घर बैठे ड्राइविंग लाइसेंस आदि बनवाने के दावे कर रही है। वहीं दूसरी तरफ ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने वाले न केवल ई-दिशा केंद्र में धक्के खा रहे है, बल्कि केंद्र में फीस न कटने से बाहर सी.एच.सी.सेंटर मालिकों के हाथों लुटने को भी मजबूर है। ऐसा ही एक मामला बुधवार को लाडवा एस.डी.एम.कार्यालय में देखने को मिला। ई-दिशा केंद्र में अपने ड्राइविंग लाइसेंस की फीस कटवाने बपदी निवासी माम चंद आया तो उसकी फीस ई-दिशा केंद्र में नहीं काटी गई। फीस कटवाने के लिए उपभोक्ता को सी.एच.सी.सेंटर भेजा गया। जब माम चंद बपदी सी.एच.सी.सेंटर गया तो उससे फीस काटने की राशि डबल मांगी गई।

उपभोक्ता माम चंद शिकायत लेकर भाकियू के जिला प्रधान रामधारी उर्फ भूरा डूडा के साथ लाडवा एस.डी.एम. अनुभव मेहता से मिले और अपनी समस्या से अवगत करवाया। उन्होंने बताया कि सी.एच.सी.सेंटर मालिकों ने लूट मचाई हुई है। जो सरकारी फीस है उससे डबल वसूल रहे है। उन्होंने बताया कि रेडक्रास की पर्ची 300 रुपए की कटती है तो वह 500 रुपए ले रहे है।

लाडवा एस.डी.एम.ने न केवल मौके पर ही शिकायतकर्ता की शिकायत को सुना, बल्कि विस्तार से भी जानकारी दी, किस प्रकार आम आदमी पोर्टल पर जाकर अपनी फीस भर सकता है। भाकियू के जिला प्रधान रामधारी उर्फ भूरा डूडा ने एस.डी.एम.से मांग करते हुए कहा कि इस लूट को बंद करवाया जाए। जो जायज फिस है उसे ही वसूला जाए। सेंटर मालिक इसका नाजायज फायदा न उठाए, जिससे आमजन को इनके खिलाफ सड़कों पर उतरना पड़े। एस.डी.एम.अनुभव मेहता ने आश्वासन दिया की आज ही सभी सी.एच.सी.सैंटरों को नोटिस जारी किया जाएगा। कोई भी सेंटर चालक सरकार द्वारा निर्धारित फीस से ज्यादा पैसे नहीं वसुल करेगा जो फीस उनकी निर्धारित है उसी हिसाब से अपना चार्ज करें। यदि इसके बाद भी कोई सेंटर मालिक डबल पैसे वसूलता है और उसकी शिकायत मिलती है तो उसके सेंटर को रद्द करवा दिया जाएगा।

बाबा साहेब की जयंती पर लगाए गए चित्र के गायब होने और ध्वज के अपमान से माहौल गर्माया

करनाल. करनाल जिले के बालराजपूतान गांव में बाबा साहेब की जयंती पर लगाए गए चित्र के गायब होने और ध्वज के अपमान के आरोप गांव के सरपंच व उसके साथियों पर लगाए है। मंगलवार देर रात को जब बाबा साहेब का चित्र गांव से गायब हुआ, तो समाज के लोगों ने मौके पर पहुंचकर जमकर विरोध किया। वहीं मामले की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची मामले को शांत करवाने की कोशिश की। समाज के लोगों ने सरपंच पर आरोप लगाते हुए पुलिस को शिकायत दी है, वहीं सरपंच ने भी पुलिस को एक शिकायत दी है, जिसमें उन्होने अपने उपर लगे आरोपों को गलत बताया है। पुलिस की माने, तो समाज के लोगों को डीएसपी कार्यालय में बुलाया गया था, लेकिन ये लोग नहीं गए।जयंती पर लगाया गया था चित्र मंगलवार को गांव राजपूतान में बाबा साहेब की जयंती के मौके पर कार्यक्रम आयोजित किया गया था। गांव के एक स्थान पर बाबा साहेब का चित्र लगाया गया और लोगों ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। साथ ही ध्वज भी लगाया गया था। आरोप है कि देर रात अंधेरे में किसी ने वहां से बाबा साहेब की फोटो को गायब कर दिया और झंडे को भी नुकसान पहुंचाया। सरपंच पर लगाए गंभीर आरोप रमेश व समाज के अन्य लोगों का कहना है कि बाबा साहेब की जयंती पूरे विश्व में मनाई गई और गांव में भी पूरे सम्मान के साथ कार्यक्रम हुआ। आरोप है कि गांव के सरपंच सुरजीत अपने कुछ साथियों के साथ मौके पर पहुंचे और चित्र को उखाड ?र ले गए, साथ ही ध्वज का भी अपमान किया। लोगों ने साफ कहा कि बाबा साहेब का अपमान किसी भी हाल मे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा जमीन विवाद को लेकर भी बढ़ा तनाव समाज ने यह भी आरोप लगाया कि बीते दो साल से सरपंच उनके साथ अन्याय कर रहा है। जिस जमीन पर बाबा साहेब की प्रतिमा लगाई गई थी, उसे समाज के लोगों ने कानूनी प्रक्रिया के तहत हासिल किया और कोर्ट से केस भी जीता। इसके बावजूद सरपंच अब उस जमीन को पंचायती बता रहा है। समाज के लोगों ने चेतावनी दी कि वे इस मामले को लेकर उपायुक्त से मिलेंगे और न्याय की मांग करेंगे।

दोनों पक्षों ने दी शिकायत, जांच जारी मुनक थाना प्रभारी बृजपाल ने बताया कि रात को तस्वीर गायब होने और झंडा तोडऩे को लेकर विवाद की सूचना मिली थी। पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर शांत किया। उन्होंने बताया कि रमेश नामक व्यक्ति ने शिकायत देकर सरपंच सुरजीत पर आरोप लगाए हैं कि उसने साथियों के साथ मिलकर यह हरकत की।

अनाज मंडी में नाराज आढ़तियों नें किया विरोध प्रदर्शन, मंडी के दोनों गेट पर जड़ा ताला

समालखा. शहर की अनाज मंडी में गेहूं की सरकारी खरीद की सुस्त रफ्तार और उठान न होने और बारदाना की भारी किल्लत के चलते गुस्साए आढ़तियों ने बुधवार कों सरकार के प्रति रोज़ प्रकट करते हुए नारेबाजी की। आढ़तियों ने मंडी के बाहर धरना दिया और मंडी के दोनों गेट पर ताला लगाकर विरोध दर्ज कराया। मंडी प्रधान बलजीत रूहल ने हड़ताल के पीछे प्रशासन की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया। आढ़तियों का आरोप है कि विभाग के अधिकारियों के द्वारा मंडी में खरीद नहीं की जा रही है। मामले की जानकारी मिलते ही उपमंडल अधिकारी अमित कुमार ने तुरंत संज्ञान लिया और मौके पर पहुँच आढ़तियों से बातचीत कर समस्या का समाधान निकालने का आश्वासन दिया। एसडीएम अमित कुमार नें मध्यस्ता कर आढ़तियों का धरना समाप्त कराया

प्रधान बलजीत रूहल नें बताया कि खरीदव न होने और बारदाना की कमी के चलते लाखों क्विंटल गेहूं खुले में पड़ा है, जिससे बारिश में फसल खराब होने का डर है साथ हीं चोरो और आवारा पशुओं से फसल नुकसान का डर आढ़तियों को सता रहा है। आढ़ती लगातार शिकायतें कर रहे हैं, लेकिन बारदाने की कमी से खरीद और पैकिंग ठप हो गई है।

वहीं समालखा एसडीएम अमित कुमार प्रशासन की ओर से आढ़तियों को समझाने के लिए पहुंचे। एसडीएम अमित कुमार ने आढ़तियों को समय से खरीद और पूरा बारदाना उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

महाविद्यालय में इतिहास प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

नरवाना. केएम राजकीय महाविद्यालय नरवाना के इतिहास विभाग एवं इतिहास संकलन समिति के संयुक्त तत्वावधान में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम विभागाध्यक्ष प्रोफेसर जगजीत सिंह मोर के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्राचार्या डॉ. मीनू सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के ज्ञान और आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक होती हैं। प्रतियोगिता में कुल सात टीमों ने भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कड़े मुकाबले के बाद साहिल, प्रवीण व नसीब की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं मीनाक्षी, तृषा तथा अंशिका की टीम द्वितीय स्थान पर रही, जबकि कोमल, सेजल एवं नीलम की टीम ने तृतीय स्थान हासिल किया। कार्यक्रम का मंच संचालन एमए इतिहास प्रथम वर्ष के छात्र साहिल ने किया। निर्णायक मंडल में प्रोफेसर राजेश श्योकंद, प्रो. प्रोमिला एवं प्रो. कमलजीत ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

एम.कॉम के विद्यार्थियों के लिए पीपीटी और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन

नारायणगढ़. राजकीय महाविद्यालय नारायणगढ़ में प्राचार्य रोहित कुमार की अध्यक्षता में वाणिज्य विभाग की प्रो. रेनू कुमारी व डॉ सुमन लता द्वारा एम.कॉम के विद्यार्थीयों के लिए पीपीटी और भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रस्तुतीकरण कौशल, आत्मविश्वास तथा विषय ज्ञान को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम की शुरुआत प्रो. रेनू कुमारी, आयोजक, द्वारा स्वागत भाषण के साथ हुई। प्राचार्य ने अपने संबोधन में विद्यार्थियों को ऐसे आयोजनों में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के महत्व पर जोर दिया और विद्यार्थीयों को प्रस्तुतियों के लिए खुद को तैयार करने के लिए प्रेरित किया। पॉवर पॉइंट प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने अपने विचारों को आकर्षक स्लाइड्स के माध्यम से प्रस्तुत किया, वहीं डिक्लेमेशन प्रतियोगिता में विद्यार्थीयों ने अपने भाषण कौशल को प्रदर्शित किया। निर्णायक मंडल डॉ. सुमन लता, डॉ. स्वर्णजीत व डॉ. मनीषा ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन विषय-वस्तु, प्रस्तुतीकरण शैली, भाषा की शुद्धता एवं आत्मविश्वास के आधार पर किया।

लुवास ने एग्री इनोवेट इंडिया लिमिटेड के साथ किया समझौता ज्ञापन हस्ताक्षरित

हिसार. लाला लाजपत राय पशुचिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, हिसार ने कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में विकसित तकनीकों के व्यावसायीकरण को बढ़ावा देने हेतु एग्री इनोवेट इंडिया लिमिटेड के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। यह समझौता आज कुलपति सचिवालय में आयोजित एक गरिमामय समारोह के दौरान संपन्न हुआ। एग्री इनोवेट इंडिया लिमिटेड,कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत स्थापित एक प्रमुख सरकारी उपक्रम है, जिसका उद्देश्य भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर), केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालयों तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालयों में विकसित तकनीकों और शोध परिणामों का व्यावसायीकरण करना तथा उन्हें राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उद्योग, अनुसंधान संस्थानों और शैक्षणिक संगठनों तक पहुंचाना है। इस एमओयू के माध्यम से विश्वविद्यालय में विकसित उपयोगी एवं बाजारोन्मुख तकनीकों का मूल्यांकन कर उन्हें एग्री इनोवेट के पोर्टफोलियो में शामिल किया जाएगा तथा आवश्यकता अनुसार उनका व्यवसायीकरण एवं लाइसेंसिंग सुनिश्चित की जाएगी। यह पहल कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र में नवाचारों के प्रसार और किसानों तक आधुनिक तकनीकों की पहुंच को सुदृढ़ करेगी। समझौते पर विश्वविद्यालय की ओर से निदेशक (मानव संसाधन प्रबंधन) डॉ. सोनिया सिंधु तथा एग्री इनोवेट इंडिया लिमिटेड, नई दिल्ली की ओर से मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. प्रवीण मलिक ने हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.(डॉ.) विनोद कुमार वर्मा भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि यह समझौता विश्वविद्यालय में विकसित शोध एवं तकनीकों को उद्योग से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस सहयोग से नवाचारों का प्रभावी प्रसार होगा तथा किसानों एवं उद्यमियों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि विश्वविद्यालय निरंतर ऐसे प्रयास करता रहेगा, जिससे अनुसंधान का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके। कार्यक्रम के दौरान पशु चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. राजेश खुराना तथा पशु चिकित्सा औषधि विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. दिव्या अग्निहोत्री भी उपस्थित रहे। जनसम्पर्क अधिकारी डॉ. निलेश सिन्धु ने बताया कि यह समझौता विश्वविद्यालय की शोध एवं नवाचार क्षमता को नई दिशा प्रदान करते हुए कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र में सतत विकास को बढ़ावा देने में मील का पत्थर सिद्ध होगा।

बीबीएमबी के संबंध में जारी पूरी तरह है नई राजपत्र अधिसूचना विरोधी

केंद्र की बीबीएमबी को लेकर जारी नई अधिसूचना हरियाणा के हितों के लिए एक बड़ा झटका है : हुड्डा

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़. पूर्व मुख्यमंत्री और विपक्ष के नेता भूपिंदर सिंह हुड्डा ने भाखरा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) के संबंध में केंद्र सरकार द्वारा जारी नई राजपत्र अधिसूचना को पूरी तरह से हरियाणा विरोधी करार दिया है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब हरियाणा को पंजाब से अलग करके बनाया गया था, तब बोर्ड के लिए विशिष्ट नियम औपचारिक रूप से स्थापित किए गए थे। इन नियमों में हरियाणा के हितों की रक्षा के लिए कई प्रावधान शामिल थे।

उदाहरण के लिए, यह निर्धारित किया गया था कि बोर्ड में सिंचाई विभाग का प्रभारी सदस्य हरियाणा से होगा, बिजली विभाग का प्रभारी सदस्य पंजाब से होगा और अध्यक्ष हिमाचल प्रदेश से नहीं होगा। हालांकि, नए निर्णय में कहा गया है कि किसी भी राय का सदस्य इनमें से किसी भी पद पर आसीन हो सकता है।

इससे आशंकाएं बढ़ जाती हैं कि हरियाणा के अधिकारों के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, और यह चिंता इस तथ्य से और भी पुष्ट होती है कि ऐसा पहले भी हो चुका है। हुड्डा ने टिप्पणी की कि जहां एक ओर भाजपा सरकार हरियाणा के लिए एसवाईएल का पानी सुरक्षित करने में विफल रही है, वहीं दूसरी ओर भाखरा जल आवंटन और प्रबंधन बोर्ड के भीतर रोजगार के अवसरों के संबंध में हरियाणा के हितों की लगातार अनदेखी की जा रही है। उन्होंने कहा, सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि राय की भाजपा सरकार इस मामले पर पूरी तरह से चुप है। यहां तक कि जब बीबीएमबी में भर्ती के लिए हरियाणा का कोटा समाप्त किया गया, तब भी राय सरकार ने कोई आपत्ति दर्ज नहीं कराई। एसवाईएल मुद्दे से संबंधित एक प्रश्न का उत्तर देते हुए विपक्ष के नेता ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने कई साल पहले हरियाणा के पक्ष में फैसला सुनाया था। उन्होंने आगे कहा, पिछले कई वर्षों से हरियाणा और केंद्र दोनों रायों में भाजपा की सरकारें सत्ता में हैं। इसके बावजूद, कोई भी सरकार यह सुनिश्चित करने का प्रयास नहीं कर रही है कि हरियाणा को पानी का उसका उचित हिस्सा मिले। यह हरियाणा की जनता के साथ विश्वासघात है। मंडियों (अनाज बाजारों) में खरीद की कमी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए हुड्डा ने कहा कि सरकार ने किसानों को ऑनलाइन पोर्टलों और प्रतिबंधात्मक शर्तों के जाल में फंसा लिया है। उन्होंने कहा, किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए पहले एक पोर्टल पर पंजीकरण कराना होता है, लेकिन खरीद के चरम मौसम के दौरान पोर्टल अक्सर क्रैश हो जाता है।

उन्होंने कहा, इसके बाद, एक गेट पास की आवश्यकता होती है, एक ऐसा दस्तावेज़ जो प्रारंभिक पंजीकरण प्रक्रिया के अपूर्ण रहने के कारण जारी नहीं किया जा सकता। यहां तक कि अगर कई दिनों के कठिन संघर्ष के बाद यह कार्य अंततः पूरा हो भी जाता है, तो किसानों को बाद में जैवमापी सत्यापन, ट्रैक्टर पंजीकरण संख्या, पृष्ठभूमि जांच और गारंटर की आवश्यकता जैसी असंख्य शर्तों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने आगे कहा, संक्षेप में, सरकार ने किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से वंचित करने के लिए एक पूरी व्यवस्था स्थापित कर दी है। सरकार का इरादा वास्तविक खरीद से अधिक घोटाले करने की ओर प्रतीत होता है, क्योंकि सरकार ने पिछले सीजन में धान की खरीद के दौरान धोखाधड़ी की, उसके बाद आलू की खरीद में भी धोखाधड़ी हुई, और अब गेहूं और सरसों की खरीद में भी इसी तरह की साजिशें सामने आ रही हैं।

सिर्फ अनार ही नहीं, इसका छिलका भी है औषधीय गुणों से भरपूर, अतिसार से लेकर कब्ज में मिलेगी राहत

अनार सितंबर से फरवरी तक आसानी से मिल जाता है, लेकिन आज के समय में ग्रीन हाउस और कोल्ड स्टोरेज की वजह से साल भर मीठे अनार का आनंद लिया जा सकता है। अनार एक ऐसा फल है कि जिसका छिलका भी कई रोगों से निजात दिलाने में मदद करता है। आयुर्वेद में अनार को दाडिम कहा जाता है, जो केवल फल नहीं, बल्कि औषधि है। आयुर्वेद में अनार को वात, कफ और पित्त संतुलित करने वाला फल माना जाता है, जो शरीर में रक्त को बढ़ाता है और कमजोरी से भी बचाता है। अनार पाचन को समर्थ बनाता है, रक्त को पोषित करता है, त्वचा को निखारता है और शरीर को भीतर से बल देता है। अगर चेहरे पर मुहांसे और गहरे दाग-धब्बे परेशान करते हैं, तो अनार के छिलके से बना पेस्ट चेहरे में नई जान डाल देता है। इसके लिए अनार के छिलके के चूर्ण को गुलाबजल के साथ मिलाकर पेस्ट बना लें। पेस्ट को चेहरे पर हफ्ते में दो बार लगाएं। यह फेसपैक चेहरे पर पनप रहे बैक्टीरिया को खत्म करता है, जिससे मुहांसे और एक्ने कम होते हैं।

गर्मियों में अक्सर अतिसार की परेशानी होती है क्योंकि थोड़ा सा भी तेलीय खाना खाने के बाद पेट की पाचन शक्ति प्रभावित होती है। ऐसे में अतिसार होना आम बात है। इसके लिए अनार के छिलके के पाउडर को छाछ में मिलाकर जीरे के साथ सेवन करें। ऐसा करने से पेट में पल रहे हानिकारक बैक्टीरिया खत्म होंगे और आंतों की सूजन भी कम होगी। बच्चों को अक्सर पेट में कीड़ों होने की शिकायत बनी रहती है। ऐसा इसलिए क्योंकि बच्चें बिना हाथ धोए खाना खा लेते हैं। ऐसे में रोजाना बच्चे को खाली पेट अनार के दानों का सेवन कराना चाहिए। इससे आंतों पर पल रहे कीड़ों का नाश होता है और पेट में होने वाले दर्द से भी राहत मिलती है। इसके अलावा अगर हीमोग्लोबिन की कमी है, तब भी रोजाना 1 अनार का सेवन किया जा सकता है।

प्रेरणा की तलाश में रसिका दुग्गल, नॉवेल, म्यूजिक व पॉडकास्ट से मिला सुकून

मनोरंजन की दुनिया में अक्सर सितारे अलग-अलग चीजों से प्रेरणा लेते हैं। कुछ ऐसा ही अनुभव बॉलीवुड एक्ट्रेस रसिका दुग्गल ने साझा किया। उन्होंने मंगलवार को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए फैंस को बताया कि उन्हें पिछले कुछ महीनों में किन-किन चीजों से प्रेरणा मिली है। रसिका दुग्गल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह अपने बालों के साथ खेलती नजर आ रही हैं। इस तस्वीर के साथ उन्होंने एक लंबा कैप्शन लिखा, जिसमें उन्होंने अपनी इंस्पिरेशन सोर्स के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि वह हमेशा ऐसी चीजें ढूंढती रहती हैं, जो उनके मन के इमोशन्स को बदल सकें और उन्हें अंदर से मजबूत बना सकें। रसिका ने कैप्शन में लिखा, इंस्पिरेशन की तलाश मेंज हमेशा कुछ ऐसा ढूंढती रहती हूं जो मेरे एहसासों को थोड़ा बदल दे, मेरे मन की बात कह देंज पिछले कुछ महीनों में कुछ चीजें मेरे लिए खास प्रेरणा का स्रोत रही है।

इस दौरान रसिका ने खासतौर पर फिगर स्केटर एलिसा लियू का जिक्र किया और लिखा, उनकी शानदार वापसी ने मुझे सबसे यादा प्रभावित किया। एलिसा की वापसी प्रेरणादायक रही। यह एक ऐसी कमबैक कहानी है, जिसमें मेहनत, आत्मविश्वास और अपने तरीके से आगे बढ़ने की ताकत साफ दिखाई देती है। उनकी उपलब्धियां काफी शानदार रही हैं, जिसमें ओलंपिक और वर्ल्ड चैंपियनशिप जैसे बड़े मंचों पर उनकी जीत शामिल है। रसिका को साहित्य से भी गहरी प्रेरणा मिली। उन्होंने मशहूर लेखिका किरण देसाई के नॉवेल का जिक्र करते हुए कहा, उसमें दिखाए गए किरदार सोनिया और सनी की अकेलेपन भरी कहानी ने मेरे दिल को छू लिया। 90 के दशक में भारत में बड़े हुए लोगों के लिए यह कहानी बेहद करीब महसूस होती है। मैं इस किताब में इतनी खो गईं कि आज भी इसके बारे में सोचती रहती हूं और कभी-कभी सपनों में भी इसकी झलक देखती हूं। पोस्ट के कैप्शन में रसिका ने आगे लिखा, संगीत की बात करें तो मैंने एलिसा लियू की परफॉर्मेंस को बार-बार देखा है, जिसके बाद मेरा झुकाव डिस्को म्यूजिक की ओर भी बढ़ गया। मैकआर्थर पार्क सुइट अब मेरे पसंदीदा गानों में शामिल हो गया है और मैं इसे बार-बार सुनती हैं। इससे पहले मैं छा रही काली घटना जैसे गाने यादा सुनती थीं, लेकिन अब मेरी पसंद में बदलाव आया है और मैं अपनी मॉर्निंग वॉक के दौरान डिस्को गानों का भी आनंद लेती हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, और अगर गहराई में जाना हो, तो मेरा लंबे समय से पसंदीदा पॉडकास्ट द सीन एंड द अनसीन है। इसका ए प्राइमर ऑन चाइना एपिसोड, जिसमें अमित वर्मा और मनोज केवलरमानी हैं, को मैंने कई बार 15 सेकंड पीछे करके सुना।

वजह यह है कि इसमें बहुत कुछ समझाया गया हैज चीन का ऐसा दिलचस्प इतिहास, जो आपको किताबों में नहीं मिलेगा। अभी तक मैं इस 4 घंटे लंबे एपिसोड को पूरा नहीं कर पाई हूंज लेकिन हां, अब बस आखिरी 36 मिनट बाकी हैं। पोस्ट के आखिर में रसिका ने अपने फैंस का धन्यवाद करते हुए कहा, अगर आपने मेरा पूरा पोस्ट पढ़ा है तो मैं आपकी आभारी हूं। अगर मेरी बताई गई चीजों में से कुछ भी किसी को पसंद आया हो, तो यह मेरे लिए खुशी की बात है।

सैयारा' के बाद फिर धड़केगा अहान, अनीत का दिल

भारतीय सिनेमा में रोमांस की नई परिभाषा गढ़ने वाली सुपरहिट 'सैयारा' की टीम एक बार फिर साथ आकर दिलों को छू लेने वाली कहानी रचने जा रही है। मोहित सूरी, अक्षय विधानी और यशराज फिल्म्स के बैनर तले जेन-जी के चहेते सितारे अहान पांडे और अनीत पड्डा फिर एक इंटेंस रोमांटिक फिल्म के लिए साथ आ रहे हैं। 'सैयारा' की रिकॉर्डतोड़ सफलता—भारत में 338 करोड़ नेट और दुनिया भर में करीब 580 करोड़ ग्रॉस—ने इसे सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि युवाओं के दिलों में बस जाने वाला पॉप कल्चर मूवमेंट बना दिया था। अब यही टीम एक नई, अनटाइटल्ड फिल्म के जरिए उसी जादू को और गहराई के साथ दोहराने की तैयारी में है। अहान और अनीत की केमिस्ट्री, जिसे फैंस प्यार से 'अहनीत' कहते हैं, एक बार फिर बड़े पर्दे पर लौटेगी—और इस बार भावनाएं होंगी और भी गहरी, कहानी और भी सच्ची। मोहित सूरी की खासियत रही है दिल को छू लेने वाला संगीत और बेकाबू इमोशंस, और इस नई फिल्म में भी वही जादू नए अंदाज़ में देखने को मिलेगा। 2027 में रिलीज़ के लिए तैयार यह फिल्म सिर्फ एक लव स्टोरी नहीं, बल्कि प्यार को पूरी तीव्रता से महसूस करने का एक सिनेमाई अनुभव बनने वाली है।

यामी गौतम धर के अंदाज़ में चमका कैरेटलेन का नया ज्वेलरी जादू

अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर टाटा ग्रुप के ज्वेलरी ब्रांड केरटलाने ने अपने दो नए कलेक्शन 'काशिका' और 'लहर' पेश किए हैं। ब्रांड एम्बेसडर यामी गौतम धर इन कलेक्शंस के विजुअल्स में अपने खास अंदाज़ से आभूषणों की खूबसूरती को और निखारती नज़र आ रही हैं। 'काशिका' कलेक्शन प्राचीन नगरी वाराणसी की दिव्य आभा से प्रेरित है, जिसमें मंदिरों की भव्यता और स्थापत्य कला की झलक देखने को मिलती है। 14 कैरेट गोल्ड और नैचुरल डायमंड्स से तैयार ये डिज़ाइन्स पारंपरिक विरासत को आधुनिक रूप देते हैं। वहीं 'लहर' कलेक्शन सागर की लहरों की लय से प्रेरित है, जिसमें ब्लू टोपाज और गोल्ड का आकर्षक संयोजन हर पीस को खास बनाता है। कैरेटलेन के मैनेजिंग डायरेक्टर सौमेन भौमिक ने कहा, काशिका के जरिए हम काशी की कालजयी विरासत को सम्मानित करना चाहते हैं, जबकि 'लहर' कलेक्शन आधुनिकता और प्रवाह का प्रतीक है। अक्षय तृतीया पर ये कलेक्शंस हमारे डिज़ाइन विज़न और ग्राहकों की बदलती पसंद को दर्शाते हैं। दोनों कलेक्शंस पारंपरिक प्रेरणा और समकालीन स्टाइल का बेहतरीन मेल हैं, जो हर अवसर पर पहनने के लिए उपयुक्त हैं।

सरदार सिंह सूरी की विरासत को प्रेम चोपड़ा का नमन

चार बंगला गुरुद्वारा साहिब के संस्थापक सरदार सिंह सूरी की 7वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धा, सेवा और भक्ति का अनूठा संगम देखने को मिला। इस अवसर पर हजारों श्रद्धालु भजन-कीर्तन, अरदास और विशाल लंगर में शामिल होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि देने पहुंचे। कार्यक्रम की विशेषता तब और बढ़ गई, जब वरिष्ठ अभिनेता प्रेम चोप?ा ने सरदार सिंह सूरी को याद करते हुए अपने दिल की भावनाएं साझा कीं। प्रेम चोपड़ा ने भावुक होते हुए कहा कि सरदार सिंह सूरी सिर्फ एक नेक इंसान नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक थे, जिन्होंने कई जिंदगियों को दिशा दी। उन्होंने यह भी याद किया कि अपने करियर की पहली फिल्म में उन्हें सूरी के साथ हीरो के रूप में काम करने का अवसर मिला, जो उनके लिए आज भी अविस्मरणीय है। सिनेमा और समाजसेवा—दोनों क्षेत्रों में सरदार सिंह सूरी का योगदान उल्लेखनीय रहा। उनकी फिल्म ऐ धरती पंजाब दी ने उस दौर में बड़ी सफलता हासिल की और 9 पुरस्कार जीते, जिन्हें उस समय के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा प्रदान किया गया। फिल्म में मोहम्मद रफी और महेंद्र कपूर की आवाज़ ने इसे खास बना दिया। यह पुण्यतिथि समारोह न केवल उनकी स्मृतियों को जीवित रखने का माध्यम बना, बल्कि सेवा, विनम्रता और समर्पण की उनकी विरासत को भी फिर से उजागर कर गया।

जंगल में अपना कचरा नहीं, अपनी यादें छोड़ेः रणदीप हुड्डा

मनुष्य की आधुनिक जीवनशैली और विकास की भूख ने उसे इस कदर अंधा कर दिया है कि वह अपनी जड़ों को धीरे-धीरे नष्ट करने पर लगा हुआ है। शहरों को कंक्रीट के जंगलों में बदलने के बाद अब उसकी नजर जंगलों पर है। पर्यटन और घूमने-फिरने के नाम पर लोग जंगलों में प्लास्टिक का कचरा और गंदगी के ढेर छोड़ रहे हैं। यह कचरा वहां के जानवरों और पेड़-पौधों के लिए धीरे-धीरे जहर बन रहा है। इसी मुद्दे पर ध्यान दिलाते हुए बुधवार को अभिनेता रणदीप हुड्डा ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया। इसमें एक बाघ तालाब से पानी पीते हुए दिखाई दे रहा है। शुरू में यह सीन बहुत शांत और खूबसूरत लगता है, लेकिन जैसे-जैसे वीडियो आगे बढ़ता है, आसपास प्लास्टिक का कचरा साफ नजर आने लगता है। यह सीन जंगल में फैली इंसानी लापरवाही की कड़वी कच्चाई को दिखाता है कि ऐसे इलाकों तक अब गंदगी पहुंच चुकी है, जहां पहले इंसान की पहुंच बहुत कम थी। अभिनेता ने अपनी पोस्ट के जरिए सभी को संदेश दिया कि जंगल में जो भी चीज हम ले जाते हैं, खासकर प्लास्टिक की बोतलें, थैलियां या अन्य कचरा, उसे कभी भी वहीं नहीं छोड़ना चाहिए।

वीडियो पोस्ट कर अभिनेता ने लिखा, यह सुंदर है, लेकिन जब तक कि यह सुंदर नहीं रहता। जंगल को हमारे प्लास्टिक की जरूरत नहीं है। उसे हमारे सम्मान की जरूरत है। अभिनेता की पोस्ट को काफी पसंद किया जा रहा है। यूजर्स उनकी राय की सराहना कर रहे हैं और कमेंट सेक्शन पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं देते नहीं थक रहे हैं। अभिनेता जल्द ही फिल्म ऑपरेशन खुकरी में नजर आएंगे।

शूटिंग के दौरान जब तेज लहरों के बीच फंस गई थीं लारा दत्ता, इस एक्टर ने बचाई जान

कभी-कभी फिल्मी दुनिया की चमक-दमक के पीछे ऐसी कहानियां छिपी होती हैं, जिसे सुनकर हर कोई हैरान रह जाता है। लारा दत्ता की जिंदगी में भी कुछ ऐसा ही हुआ, जब फिल्म की शूटिंग के दौरान वह एक मुश्किल में फंस गईं, जिसमें उनकी जान जाते-जाते बची। लारा दत्ता का जन्म 16 अप्रैल 1978 को उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में हुआ था। उनके पिता भारतीय वायु सेना में विंग कमांडर थे। उन्होंने बेंगलुरु से अपनी पढ़ाई पूरी की। पढ़ाई में अछी होने के साथ-साथ उनमें कुछ अलग करने की चाह भी थी, जिसने उन्हें मॉडलिंग की दुनिया की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मॉडलिंग में कदम रखते ही लारा दत्ता ने अपनी पहचान बनानी शुरू कर दी। साल 1997 में उन्होंने ग्लैडरैग्स प्रतियोगिता जीती। साल 2000 में उन्होंने मिस यूनिवर्स का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। वह भारत की दूसरी महिला बनीं, जिन्होंने यह उपलब्धि हासिल की। इस जीत के बाद वह पूरी दुनिया में मशहूर हो गईं और उनके लिए फिल्म इंडस्ट्री के दरवाजे खुल गए। साल 2003 में लारा दत्ता ने फिल्म अंदाज से बॉलीवुड में डेब्यू किया। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार और प्रियंका चोपड़ा नजर आए। पहली ही फिल्म से उन्हें काफी सराहना मिली और बेस्ट डेब्यू एक्ट्रेस का पुरस्कार भी मिला। इसी फिल्म की शूटिंग के दौरान एक ऐसा हादसा हुआ, जिसने उस वक्त सभी को डरा दिया था। फिल्म के एक गाने की शूटिंग समुद्र के किनारे हो रही थी। लारा को पानी से डर लग रहा था, लेकिन शूटिंग के लिए वह लहरों के बीच गईं। अचानक एक ऊंची लहर आई और उनका संतुलन बिगड़ गया। वह पानी के साथ बहने लगीं। उस समय वहां मौजूद सभी लोग घबरा गए, लेकिन अक्षय कुमार ने बिना समय गंवाए समुद्र में छलांग लगा दी और अपनी जान की परवाह किए बिना लारा को सुरक्षित बाहर ले आए। यह घटना उनके लिए बहुत डरावनी थी, लेकिन इसी ने उनकी हिम्मत को और मजबूत किया। इसके बाद लारा दत्ता ने मस्ती, नो एंट्री, भागम भाग, पार्टनर और हाउसफुल जैसी कई फिल्मों में काम किया। समय के साथ लारा ने फिल्मों के अलावा टीवी और वेब सीरीज में भी काम किया। उन्होंने अलग-अलग तरह के किरदार निभाए और खुद को हर बार साबित किया। निजी जीवन की बात करें तो लारा दत्ता ने साल 2011 में मशहूर टेनिस खिलाड़ी महेश भूपति से शादी की। दोनों की एक बेटी है और वह अपने परिवार के साथ खुशहाल जीवन जी रही हैं।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com